उद्धार की यात्रा में मिलने वाले शत्रुओं के प्रकार

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

जब आप फिर से जन्म लेते हैं या पूरे दिल से परमेश्वर की सेवा करने का निर्णय करते हैं, तो यह समझना बहुत ज़रूरी है कि आपके रास्ते में किस तरह के शत्रु आएंगे वे जो किसी न किसी रूप में आपके विश्वास को कमजोर करने की कोशिश करेंगे। इन शत्रुओं को पहचानना आपकी आध्यात्मिक दृढ़ता को मजबूत करता है और परीक्षा के समय हतोत्साहित होने से बचाता है। प्रेरित पौलुस याद दिलाते हैं:

“क्योंकि हमारा संघर्ष मनुष्य और शरीर के खिलाफ नहीं, बल्कि सरकारों और अधिकारों, इस अंधकार की दुनिया की शक्तियों और स्वर्गीय स्थानों में बुरी आत्मिक शक्तियों के खिलाफ है।” (इफिसियों 6:12, ERV-Hindi)

1. शैतान और उसके दूत

लूका 22:31-32 (ERV-Hindi):

“साइमन, साइमन, देखो, शैतान ने चाहा कि वह तुम्हें पकड़ ले,

उद्धार की यात्रा में मिलने वाले शत्रुओं के प्रकार

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

ताकि वह तुम्हें गेहूं की तरह झाड़ सके;
पर मैं तुम्हारे लिए प्रार्थना करता रहा कि तुम्हारा
विश्वास न डगमगाए। और जब तुम लौट आओगे, तो अपने भाइयों को
मजबूत करो।”

शैतान का उद्देश्य आपके विश्वास को नष्ट करना और आपकी आध्यात्मिक वृद्धि को रोकना है। जब वह देखता है कि कोई पूरी तरह परमेश्वर को समर्पित है, तो वह परीक्षाओं का आयोजन कर सकता है—जैसे बीमारी, अचानक नुकसान, रिश्तों में तनाव, या वित्तीय संकट। इन हमलों का लक्ष्य संदेह, निराशा या भड़काऊ क्रोध उत्पन्न करना है। जैसे योब की परीक्षा हुई थी (योब 1 2), परमेश्वर परीक्षाओं की अनुमति देते हैं ताकि विश्वास को शुद्ध और मजबूत किया जा सके (1 पतरस 1:6-7)।

धार्मिक दृष्टिकोण: शैतान केवल परमेश्वर की अनुमति में ही कार्य कर सकता है। परीक्षाएँ दंड नहीं हैं, बल्कि आध्यात्मिक शुद्धि हैं:

“हे मेरे भाइयों, जब तुम विभिन्न परीक्षाओं में पड़ो, तो उसे पूरी तरह आनंद समझो, क्योंकि तुम्हें पता है कि विश्वास की परीक्षा धैर्य उत्पन्न करती है।”

उद्धार की यात्रा में मिलने वाले शत्रुओं के प्रकार

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

(याकूब 1:2-3, ERV-Hindi)

2. आपका अपना परिवार

मत्ती 10:36-38 (ERV-Hindi):

“मनुष्य का शत्रु उसके अपने घर के लोग होंगे।
जो अपने पिता या माता से मुझसे अधिक प्रेम करता है, वह मेरे योग्य नहीं; जो अपने पुत्र या पुत्री से मुझसे अधिक प्रेम करता है, वह मेरे योग्य नहीं।
जो अपना क्रूस नहीं उठाता और मेरे पीछे नहीं चलता, वह मेरे योग्य नहीं है।”

यहां तक कि आपके करीबी रिश्तेदार भी आपके परमेश्वर के मार्ग में बाधा डाल सकते हैं। आध्यात्मिक समर्पण के कारण गलतफहमी, तिरस्कार या अस्वीकृति हो सकती है। यीशु ने स्वयं परिवार के संदेह का सामना किया (यूहन्ना 7:5) और उन्हें “पागल” कहा गया (मरकुस 3:21)।

धार्मिक दृष्टिकोण: मसीह का पालन करना कभी-कभी प्राकृतिक

उद्धार की यात्रा में मिलने वाले शत्रुओं के प्रकार

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

संबंधों से ऊपर बलिदान और वफादारी मांगता है। परिवार से आने वाली परीक्षाएँ विश्वास और परमेश्वर पर निर्भरता को परखती हैं, न कि मानव स्वीकृति को (लूका 14:26-27)।

3. अन्य विश्वासियों: करीबी साथी

भले ही कोई आध्यात्मिक साथी विश्वसनीय हो, गर्व, ईर्ष्या या सांसारिक इच्छाओं के प्रभाव में आने पर वह आपके लिए विरोधी बन सकता है।

भजन 41:9 (ERV-Hindi):

“हाँ, मेरा अपना मित्र, जिस पर मैंने भरोसा किया और जिसने
मेरा रोटी खाया, उसने मेरे खिलाफ अपनी एड़ी उठाई।”

उदाहरण: यहूदा इस्करियोत ने व्यक्तिगत लाभ के लिए यीशु को धोखा दिया (यूहन्ना 12:6)। ऐसे विश्वासघात दर्दनाक होते हैं, लेकिन यह आपके विवेक और परमेश्वर की मार्गदर्शन पर भरोसा जांचने का अवसर भी है।

उद्धार की यात्रा में मिलने वाले शत्रुओं के प्रकार

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

धार्मिक दृष्टिकोण: सेवा में करीबी संबंधों में प्रार्थनापूर्ण विवेक की आवश्यकता होती है। विश्वासियों को “सब कुछ परखने और जो अच्छा है उसे थामने” के लिए बुलाया गया है (1 थिस्सलुनीकियों 5:21)। आध्यात्मिक परिपक्वता बाहरी और आंतरिक विरोध को सही तरीके से संभालने में आती है।

4. झूठे भविष्यद्वक्ता और शिक्षक

मत्ती 7:15-16 (ERV-Hindi):

“झूठे भविष्यद्वक्ताओं से सावधान रहो। वे भेड़ के वस्त्र
में आते हैं, परंतु भीतर से वे भयंकर भेड़िए हैं।
उनके फलों से तुम उन्हें पहचानोगे। क्या लोग कांटों से
अंगूर या बिच्छू से अंजीर तोड़ते हैं?”

झूठे शिक्षक जानबूझकर धर्मशास्त्र को तोड़-मरोड़ कर लोगों को भ्रमित करते हैं या व्यक्तिगत लाभ के लिए उसे मोड़ते हैं।

धार्मिक दृष्टिकोण: परमेश्वर विश्वासियों को शिक्षाओं की सावधानीपूर्वक जाँच करने के लिए कहते हैं:

उद्धार की यात्रा में मिलने वाले शत्रुओं के प्रकार

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

“प्रियजनों, हर आत्मा पर विश्वास मत करो, बल्कि आत्माओं को
परखो कि वे परमेश्वर से हैं या नहीं; क्योंकि कई झूठे भविष्यद्वक्ता दुनिया में निकल चुके हैं।”
(1 यूहन्ना 4:1, ERV-Hindi)

5. परमेश्वर के अन्य सेवक

सच्चे और विश्वासी लोग भी, यदि वे परमेश्वर की योजना को गलत समझें, तो अनजाने में आपकी प्रगति में बाधक बन सकते हैं।

उदाहरण: योब के मित्र एलिफ़ाज़, बीलदाद और जोफार अच्छे इरादों वाले थे, लेकिन उन्होंने शास्त्र को गलत तरीके से लागू किया और योब पर गलत आरोप लगाए (योब 4–21)।

धार्मिक दृष्टिकोण: परमेश्वर ऐसे हालातों की अनुमति देते हैं ताकि धैर्य, नम्रता और उनकी बुद्धि पर निर्भरता विकसित हो (याकूब 3:1)। समझ के लिए प्रार्थना करें और जो अनजाने में विरोध करते हैं उनके प्रति अनुग्रह बनाए रखें।

उद्धार की यात्रा में मिलने वाले शत्रुओं के प्रकार

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

6. झूठी धार्मिक संस्थाएँ या विरोधी अधिकारी

प्रभावशाली धार्मिक या राजनीतिक नेता, जो परमेश्वर की सच्चाई का विरोध करते हैं, शक्तिशाली विरोधी बन सकते हैं।

मत्ती 10:17-18 (ERV-Hindi):

“लोगों से सावधान रहो; क्योंकि वे तुम्हें अदालतों में सौंपेंगे और अपने सभागारों में पीटेंगे, और तुम्हें प्रांतपतियों और राजाओं के सामने लाएंगे मेरे नाम के लिए,
ताकि तुम उनके और अन्य लोगों के सामने साक्षी बनो।”

इतिहास में, फ़रीसी और सदूसी ने यीशु का विरोध किया (मत्ती 26:3-4), और प्रेरितों ने राजनीतिक और धार्मिक अधिकारियों से उत्पीड़न देखा (प्रेरितों के काम 4–5)।

धार्मिक दृष्टिकोण: परमेश्वर विश्वासियों को उत्पीड़न सहने की शक्ति देते हैं:

“परन्तु प्रभु विश्वसनीय है; वह तुम्हें मजबूत करेगा और

उद्धार की यात्रा में मिलने वाले शत्रुओं के प्रकार

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

बुराई से सुरक्षित रखेगा।”
(2 थेस्सलुनीकियों 3:3, ERV-Hindi)

विश्वास में दृढ़ रहना

सभी विरोधों के बावजूद, परमेश्वर अपने बच्चों को कभी नहीं छोड़ते:

लूका 6:22-23 (ERV-Hindi):

“धन्य हैं वे जब लोग तुमसे घृणा करें, जब वे तुम्हें बाहर निकालें, अपमानित करें और तुम्हारे नाम को बुरा कहें मनुष्यपुत्र के कारण। उस दिन आनन्दित हो और झूमो; क्योंकि तुम्हारा इनाम स्वर्ग में बड़ा है। वैसे ही उन्होंने अपने पूर्वजों से जो भविष्यद्वक्ताओं को सताया।”

उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो आपके विरोधी हैं, और यीशु की शिक्षा का पालन करें (मत्ती 5:44-45; रोमियों 14:12)। परीक्षाओं में धैर्यपूर्वक टिके रहना आध्यात्मिक पुरस्कार सुनिश्चित करता है और परमेश्वर की बुलाहट के लिए तैयार करता है।

उद्धार की यात्रा में मिलने वाले शत्रुओं के प्रकार

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 9

धार्मिक दृष्टिकोण: परीक्षाएँ आध्यात्मिक परिपक्वता दिखाती हैं, परमेश्वर पर निर्भरता बढ़ाती हैं और शाश्वत फल उत्पन्न करती हैं (याकूब 1:2-4)। हर शत्रु, परीक्षा और विश्वासघात परमेश्वर के उद्देश्य के अनुसार आपके चरित्र और साक्ष्य को आकार देता है।

अंतिम प्रोत्साहन

आपकी उद्धार यात्रा में कई दिशाओं से विरोध आएगा: शैतान, परिवार, अन्य विश्वासियों, झूठे शिक्षक और सांसारिक अधिकारी। फिर भी, परमेश्वर दृढ़ता, ज्ञान और अंतिम पुरस्कार का वादा करते हैं। दृढ़ रहें, उनकी उपस्थिति पर भरोसा करें, और याद रखें कि आपकी मुकुट स्वर्ग में सुरक्षित ह

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp